

जैक मुरे, नहेम्याह: संदेश 2

क्रिस्टन टेरी द्वारा लिखित, 2008 गॉर्डन कॉलेज

बाइबल इंजीलवाद एक बार फिर से प्रस्तुत है: डॉ. जैक मुरे द्वारा व्याख्यात्मक उपदेश।
उद्धारकर्ता की महिमा करने और श्रोताओं को आशीर्वाद देने के लिए डिज़ाइन किया गया।
यहाँ अब डॉ. जैक मुरे हैं।

हम इन सुबहों में नहेम्याह पुस्तक का अध्ययन कर रहे हैं, और मुझे विश्वास है कि आप नहेम्याह को बार-बार पढ़ रहे हैं क्योंकि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण अध्ययन है। लेकिन मैं आपको पुस्तक की रूपरेखा दूंगा और फिर हम आज की नई सामग्री को पढ़ सकते हैं। नहेम्याह को चार अलग-अलग खंडों में विभाजित किया गया है। "दर्शन और प्रार्थना" पहला खंड है। अध्याय 1 पद 1 से 11 तक। और हमने कल इस पर चर्चा की। पुस्तक की पृष्ठभूमि, नहेम्याह निश्चिंता रूप से एक बंदी था, एक प्रमुख बंदी, फारस के महान राजा अर्तक्षत्र लोंगेमानस का प्याला-वाहक। वह शूशन महल, या शूसा महल में था। वहाँ उसे यरूशलेम की स्थिति की रिपोर्ट मिली और इससे उसका दिल टूट गया और वह प्रार्थना करने लगा। अध्याय 1 के पद 4 में उसकी ईश्वरीय चिंता व्यक्त की गई है, और उसकी प्रार्थना पद 5-11 में व्यक्त की गई है। हमने आपको प्रार्थना के लिए चार शब्द दिए हैं, जो वास्तव में पुनरुत्थान प्रार्थना का एक नमूना है: "परमेश्वर को पुकारना," "पाप को स्वीकार करना," "परमेश्वर के वादों का दावा करना," और "परमेश्वर की इच्छा के प्रति पूर्ण समर्पण में खुद को समर्पित करना।" अब यह कल की शुरुआत की एक बहुत ही संक्षिप्त कहानी है। हमने बहुत अधिक पृष्ठभूमि सामग्री प्रदान की है। लेकिन केवल पाँच सुबहों में हमें कुछ चीजों को बाहर करना है।

भगवान की देरी

" सच्चाई के लिए बहादुर और लड़ाई में बहादुर।" ये दूसरे खंड के दो नाम हैं जो अध्याय 2 श्लोक 1 से अध्याय 7 श्लोक 73 तक चलते हैं। अध्याय 2, 3, 4, 5, 6, और 7। और पहली बात यह है कि अध्याय 2 का प्रमाण है प्रार्थना का उत्तर हमें अध्याय एक के अंतमि कुछ छंदों में मिला। और उस उत्तरति प्रार्थना के अंतरगत हम इसे शीर्षक देने जा रहे हैं: "भगवान की देरी।" इसका कारण, अब देखो, "यह नसिन महीने में हुआ।" आप अध्याय एक के श्लोक एक में देखेंगे, चसिलेउ या चसिलेव का महीना। ये हबिरू कैलेंडर के दो नाम हैं। और यह लगभग चार महीने के अंतराल को दर्शाता है ।

इसलिए नहेमायाह के अध्याय एक में प्रार्थना वास्तव में विलंबित है। चार महीनों तक हम पर्दे के पीछे देख सकते हैं जब नहेमायाह एक व्यक्ति के रूप में और नहेमायाह अपने साथियों के साथ क्योंकि इस तथ्य का सबूत है कि अन्य लोग प्रार्थना में उसके साथ शामिल हुए, इस स्थिति में कुछ करने के लिए भगवान से बहुत, बहुत ईमानदारी से प्रार्थना की जो पूरी तरह से असंभव लग रही थी। यहां जसि चीज को वे छूना चाहते थे, उससे वे सैकड़ों मील दूर थे। यहाँ वह एक बंदी था और राजा के पलानेहारे के रूप में इस मूल्यवान पद को छोड़ने का उसके पास कोई प्रावधान नहीं था। लेकिन उन्होंने प्रार्थना की और उन्होंने प्रार्थना की और वे प्रार्थना करते रहे और भगवान ने उस प्रार्थना को चार महीने तक विलंबित कर दिया।

और फिर कुछ हुआ। बाइबल हमें बताती है: "एक दिन जब नहेमायाह अपना सामान्य काम कर रहा था, तो शराब राजा के सामने रखी गई: और मैंने शराब उठाकर राजा को दे दी। अब मैं उसके सामने उदास नहीं था। इसलिए राजा ने मुझसे पूछा, तेरा चेहरा क्यों उदास है? क्योंकि तू बीमार नहीं है, यह और कुछ नहीं बल्कि दिल का दुख है। तब मैं बहुत डर गया" (नहे. 2:1f)। शायद यहाँ थोड़ा सा स्पष्टीकरण दिया जा सकता है। राजा का प्यालावाहक एक बहुत ही उल्लेखनीय व्यक्ति था। वह केवल चखने वाला, नौकर या वेटर नहीं था। वह फारसी दरबार का सबसे भरोसेमंद व्यक्ति था। न केवल वह ऐसा था, बल्कि उसका व्यवहार भी ऐसा था जो राजा को प्रसन्न करे। आपको पुराने नियम में राजा शाऊल याद होगा जब वह खट्टा, उदास और नरिंश हो गया था। राजा शाऊल का मनोबल बढ़ाने के लिए वे युवा डेविड को उसकी वीणा, संगीत बजाने के लिए लाए। खैर, यहाँ कुछ ऐसा ही देखा जा सकता है, यह व्यक्ति राजा की उपस्थिति में था, ताकि उसकी मदद कर सके। अब यह कोई अज्ञात गुण नहीं है। आप ऐसे लोगों को जानते हैं जिनके साथ आप रहना पसंद करते हैं क्योंकि वे आपके लिए कुछ करते हैं। और साथ ही, यह कई लोगों का हिसा है कि कुछ ऐसे लोगों के साथ रहना एक बोझ है जो

उदास और नरिश हैं और आपसे कुछ छीन लेते हैं। और यह राजा नहेमायाह की उपस्थिति में था और नहेमायाह इतने लंबे समय तक राजा की उपस्थिति में था कि राजा ने तुरंत पहचान लिया कि नहेमायाह को कुछ परेशान कर रहा था। वह जानता था कि यह शारीरिक बीमारी नहीं थी और उसने इसे पहचाना और उसने इसे जाहिर किया। और बाइबल कहती है कि तब मैं क्या था? "इतना डरा हुआ।" क्यों? उसे राजा की उपस्थिति में दुखी नहीं होना चाहिए था। और इस तरह की स्थिति में फंसकर उसने सच का जवाब दिया।

लेकनि इससे ठीक पहले, दूसरे दनि मैंने जॉर्ज वलियिम मुरे नामक एक युवा प्रचारक का संदेश सुना, जो इटली में मशिनरी था। और वह उत्तर की गई प्रार्थना से नपिट रहा था। यह बहुत अच्छा था। वह इतने लंबे समय से मेरी प्रार्थनाओं का उत्तर दे रहा था, मैंने भी उसकी एक प्रार्थना उधार लेने का फैसला किया। और जॉर्ज के पास चार बट्टि थे, और वे वास्तव में अच्छे बट्टि थे। उसका कहना था कि ईश्वर हमेशा किसी न किसी तरह से प्रार्थनाओं का उत्तर देता है। और जसि तरह से वह उस प्रार्थना का उत्तर देता है, वह सबसे पहले, सीधे तौर पर होता है। आप में से कई लोगों की प्रार्थनाओं का सीधा उत्तर मिला है। अब मैं समय नहीं लूँगा क्योंकि यह बहुत स्पष्ट है। यह तथ्य कि ईश्वर कभी-कभी रातों-रात सीधे प्रार्थनाओं का उत्तर देता है, कभी-कभी सबसे शानदार तरीके से, जसि तरह से आप प्रार्थना करते हैं, प्रार्थना का सीधा उत्तर। हालाँकि, ऐसी प्रार्थनाएँ हैं जिनका उत्तर अलग तरीके से दिया जाता है। कुछ साल पहले मैंने बाइबल इवेंजलिज्म इनकॉर्पोरेटेड के लिए किसी तरह के प्रशिक्षण क्षेत्र के लिए प्रार्थना की थी। आज मेरे पास सौ से अधिक कॉलेज स्नातकों का एक पूरण वकिसति स्नातक धर्मशास्त्रीय सेमिनरी है। जब तक हम अगले सप्ताह उन्हें एक साथ लाएँगे, तब तक लगभग 60 वभिन्नि कॉलेजों से कुछ सबसे प्रतभाशाली युवा पुरुष जनिहें मैं जानता हूँ। मुझे नहीं पता था कि ईश्वर मेरी प्रार्थना का उत्तर इस तरह से देगा। यह मेरी सोच से बहुत अलग था। लेकिन उसने इसका उत्तर दिया। और फरि प्रार्थना में देरी होती है और हमारे यहाँ नहेमायाह में ऐसा ही मामला है। इसमें चार महीने की देरी हुई। आपकी प्रार्थनाओं का हमेशा तुरंत उत्तर नहीं मलित। लेकिन भगवान की देरी को भगवान का इनकार मत समझिए। यह सच नहीं है। मैंने जॉर्ज म्यूलर के बारे में सुना है जनिहोंने एक व्यक्त के उद्धार के लिए 62 साल तक प्रार्थना की। उस प्रार्थना का उत्तर देरी से मिला। और फरि इनकार हुआ। कुछ लोग इस पर विवाद करते हैं। लेकिन आप जानते हैं कि जब

जूनयिर कार मांगता है और कार के लिए अनुरोध करता है। और पति कहते हैं नहीं! यह एक उत्तर है, बलिकूल नश्चिती रूप से। और कभी-कभी भगवान इस तरह से प्रार्थना का उत्तर देते हैं। वह कहते हैं नहीं। तीन बार, पॉल ने शरीर में काँटे को निकालने के लिए प्रभु से अपनी आवाज़ उठाई। और भगवान ने तीन बार कहा, नहीं। उस प्रार्थना का उत्तर दिया गया। और इसलिए प्रार्थना प्रत्यक्ष हो सकती है, यह अलग हो सकती है, इसमें देरी हो सकती है, इसे अस्वीकार किया जा सकता है। आज की हमारी कहानी में हम एक ऐसी प्रार्थना से नपिट रहे हैं जिसमें देरी हुई।

भगवान की छोटी-छोटी बातें

आइए अब अध्याय 2 और श्लोक 2 की ओर चलें। इसे खोजने के बाद, हमें भगवान की छोटी-छोटी चीजें मिलती हैं। क्या मैं इस पर जोर दे सकता हूँ, सफिर के इस दनि में, बड़ी भीड़ के इस दनि में

और वह सब जसिके बारे में हम बात कर रहे हैं, और जनसंख्या वसिफोट में, हम भगवान की छोटी-छोटी बातों को भूल जाते हैं। अब यहाँ मामला एक आदमी के चेहरे के भाव का है। यह सचमुच बहुत छोटी बात है। चाहे वह दुखी हो या चाहे वह खुश हो। यह वह चाबी थी जसिने प्रार्थना का जवाब देने के लिए ताला घुमाया था, यह एक आदमी के चेहरे पर अभवियक्त जैसी छोटी सी बात है।

कुछ महीने पहले टेनेसी मंदिर में, हमारे अच्छे दोस्त डॉ. ली रॉबर्टसन ने एलेनोर को फोन किया और एलेनोर से कहा कि हम चाहते हैं कि आप चट्टानूगा आएँ। हम आपको 1500 लोगों के भोज में शामिल करना चाहते हैं। और हम चाहते हैं कि आप न केवल शुक्रवार, शनिवार और रविवार को सभी बैठकों में बजाएँ, बल्कि भोजन कक्ष में एक भव्य पियानो भी रखें ताकि आप सभी छात्रों और सभी मेहमानों के लिए बजा सकें, बल्कि हम चाहते हैं कि आप यहां भी रहें। हम आपको एक छोटा सा कोरस लिखने के लिए सम्मानित करना चाहते हैं। और मुझे याद है जब हमें संदेश मिला और कोरस था "देखो वह आ रहा है।" यह आपकी गीत पुस्तिका में है। और एलेनोर की प्रतिक्रिया थी, "लेकिन यह बहुत सरल है।" लेकिन यह भगवान की एक छोटी सी बात है, भगवान की छोटी चीजों में से एक। ली रॉबर्टसन ने कहा कि "देखो वह आ रहा है" पछिले पांच या छह वर्षों में टेनेसी मंदिर के हर संगीत समूह का प्रमुख वषिय रहा है। भगवान की छोटी चीजें।

मैं एक लड़के को जानता हूँ जसिके पास कुछ रोटियाँ और मछलियाँ थीं। एक लंच, एक लड़के का लंच। लेकिन उन्होंने इसे ईश्वर के अधीन कर दिया और ईश्वर हमें 2,000 वर्षों से इसके बारे में बात करने में सक्षम बना रहे हैं, है ना? यदि उसने इसे मसीह को नहीं दिया होता तो क्या होता? बस दूसरे लड़के का दोपहर का भोजन। भगवान की छोटी चीजें। थोड़ा बहुत है कब क्या? जब भगवान इसमें है।

मेरा एक डॉक्टर मतिर है, वह अब गौरवान्वति है। उसे बेथलहम में दफनाया गया है। डॉ. थॉमस लैम्बी, सबसे महान मशिनरियों में से एक, जनिके साथ रहने का मुझे सौभाग्य मिला है। उन्होंने एक रात इथियोपिया के एक परसिर में रहने के बारे में एक कहानी सुनाई। यह बेनटिों मुसोलिनी के आने से पहले था और फरि बेनटिों मुसोलिनी फरि से रन आउट हो गए। और उसने कहा कि एक रात परसिर के दरवाजे पर जोर से दस्तक हुई, और वहां इथियोपिया के सैनिकों का एक समूह था। जनरल के कान में बहुत दर्द था। मेडिकल डॉक्टर, डॉ. लैम्बी पटिसबर्ग विश्वविद्यालय के मेडिकल स्कूल से स्नातक हैं। उसने अपनी छोटी रोशनी से कान में देखा, और अपना चमिटा लया और एक छोटा सा भृंग निकाला। और यह

संक्रमति हो गया था और उसने दवा से इसका इलाज किया और उन्हें बर्खास्त कर दिया। एक डॉक्टर के लिए यह करना बहुत ही सरल बात थी। लेकिन अगले दिन उन्हें हेली सेलासी की उपस्थिति में बुलाया गया। क्यों? क्योंकि यही वो यूनानी अमेरिकी डॉक्टर था जिसने अपने एक जनरल की जान बचाई थी। डॉ. लेम्बी बेहतर जानते थे, लेकिन उन्होंने कहा कि यह अंधविश्वासी रूप से एक लकड़ी काटने वाला भृंग था और इसने जनरल को मार डाला होगा। परिणामस्वरूप, डॉ. टॉम लेम्बी पूरे इथियोपियाई रेड क्रॉस के प्रमुख बन गए और उन्होंने इथियोपिया देश में पहला बड़ा चिकित्सा अस्पताल बनाया। और मैंने डॉ. लेम्बी को यह कहानी कई बार सुना है। और वह कहता है, “तुम्हें पता है? यदि ईश्वर एक छोटे से भृंग का उपयोग कर सकता है, तो वह आपका भी उपयोग कर सकता है।” भगवान को ज्यादा कुछ नहीं चाहिए; उसे बस एक आदमी के चेहरे पर अभिव्यक्तियों की आवश्यकता है।

भगवान के उपहार

यह एक बहुत ही दिलचस्प कहानी है, है ना? अब यहाँ वह डरा हुआ है, लेकिन उसे ऐसा नहीं होना चाहिए था। लेकिन कभी-कभी भगवान आपको अपनी प्रार्थनाओं का जवाब खुद ही देते हैं। नहेमायाह ने इस तरह से इसकी योजना नहीं बनाई थी। नहीं, नहीं, भगवान ने इसे इसी तरह से कार्यान्वित किया है। और तो उन्होंने क्या कहा, सच कहा। और उसने कहा, “राजा को सदैव जीवित रहने दो। जब वह नगर, जो मेरे पति की कब्रों का स्थान है, उजाड़ पड़ा है, और उसके फाटक आग से भस्म हो गए हैं, तब मेरा मुख उदास क्यों न हो?” तब राजा ने मुझ से कहा, तू किसलिए बनिती करता है? (नेह. 2:2-3). कल्पना कीजिए, राजा कह रहा है “तुम क्या चाहते हो?” अब क्या आप पवित्रशास्त्र की सबसे छोटी प्रार्थनाओं में से एक देखना चाहते हैं? यहाँ यह है, यहाँ तक कि शिबदों में भी नहीं। इसलिये मैंने स्वर्ग के परमेश्वर से प्रार्थना की। अब आप क्या सोचते हैं नहेमायाह ने क्या किया? क्या आपको लगता है कि उसने कहा, “अरे लड़के,

तुमने मुझे बर्ना तैयारी के बुला लया, मुझे ऐसी कसी चीज की उम्मीद नहीं थी। यह एक सदमा होगा. मुझे इस पर वचार करने के लए कुछ घंटे दीजए।” नहीं, नहीं, जो वयक्तनिजी तौर पर घुटनों के बल बैठकर प्रार्थना करने में समय बतता है, वह वह वयक्त है जो जानता है कि जब उसे सार्वजनिक रूप से प्रार्थना करने के लए बुलाया जाता है तो उसे क्या करना चाहए। मुझे नहीं लगता कि नहेमायाह ने अपनी आँखें भी बंद की होंगी। मुझे वश्वास है कि उसने अंदर ही अंदर कहा, "हे भगवान, अब मेरी मदद करो।" तथास्तु? मैं इस बात पर जोर देना चाहता हूं,

आप जानते हैं, अगर पतरस ने हमारे कुछ प्रचारकों की तरह प्रार्थना की होती, तो जब वह यीशु के पास जाने के लए नाव से बाहर नकिला तो वह डूब गया होता। बस इतना ही था। उसने मदद के लए पुकारा! और उसे तुरंत मदद मली। एक समय ऐसा आता है जब

दिल में पुकार उठती है, और वह यहाँ है। "मेरी मदद करो।" और फिर एक अद्भुत बात होती है। आप इसे यहाँ नोट में देखेंगे: भगवान के उपहार। यह भगवान का समय था कविह राजा के दिलों को प्रभावित करना शुरू करें। आप महसूस करते हैं कि एक ईसाई के रूप में आपकी अद्भुत शक्ति उच्चतम मानव व्यक्तियों तक पहुँच सकती है और उस दिल को ठीक उसी तरह बदल सकती है जैसी तरह से भगवान उसे बदलना चाहते हैं। नीतविचन कहता है, "राजा का दिल यहोवा के हाथ में है। वह उसे जहाँ चाहे वहाँ मोड़ देता है" (नीतविचन 21:1)। आमीन?

प्रार्थना के उत्तर में कतिनी अद्भुत शक्ति है। और यह यही है, अभी। और राजा कुछ पूछने जा रहा है। उसने कहा, यदि राजा को मंजूर हो, और तेरे दास पर तेरे अनुग्रह की दृष्टि हो, तो तू मुझे यहूदा में मेरे पुरखाओं की कब्रों के नगर में भेज दे, कि मैं उसे बनाऊँ। (नहे. 2:5) अब आइए एक क्षण के लिए वहीं रुकें। कल सुबह की प्रार्थना में अंतिम बटु पूरण प्रतबिद्धता, ईश्वर की इच्छा के प्रतपूरण परतियाग था। अब यहाँ इसका प्रमाण है। नहेमायाह ने राजा की ओर नहीं देखा और कहा, "आप जानते हैं, मुझे लगता है कि हम शायद कुछ लोगों को वापस जाकर वह काम करने के लिए बुला सकते हैं।" उसने क्या कहा? हर कोई यह कहता है। "मुझे भेजें।" अब आपके पास यशायाह के छठे अध्याय में भी वे शब्द हैं। परन्तु नहेमायाह के दूसरे अध्याय में, मुझे भेजो। उनकी प्रतबिद्धता स्वयं थी। उन्होंने कहा कि मैं जा सकता हूँ, मैं शामिल होना चाहता हूँ, मैं इसके ठीक बीच में आना चाहता हूँ। मैं भेजना चाहता हूँ, समय की अवधि

अब हम देरी का कारण पाते हैं। क्या मैं आपको आज सुबह याद दिला सकता हूँ कि परमेश्वर की देरी कभी व्यर्थ नहीं जाती? क्या मैं आपको याद दिला सकता हूँ कि आप कभी भी, कभी भी परमेश्वर की प्रतीक्षा नहीं करते हैं और इसके लिए आपको कुछ भी कीमत चुकानी पड़ती है? हर पल, हर मिनट, हर घंटा, हर दिन, हर सप्ताह, हर साल जब परमेश्वर

आपको उस प्रार्थना का उत्तर पाने के लिए प्रतीक्षा करवाता है तो वह बहुत, बहुत मूल्यवान है। हालाँकि, उसी तरह, कोई भी देरी जो मनुष्य द्वारा की जाती है, हमेशा आपको कुछ न कुछ कीमत चुकानी पड़ती है। सबूत? इस कमरे में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो बचा न हो। यहाँ मेरी बात सुनिए, अगर आप यहाँ बैठे हैं और आज आप बचाए नहीं गए हैं, तो अपने पाप में आगे बढ़ना आपको दुख और दलि का दर्द और शांति की कमी और खुशी की कमी और हजारों अन्य चीजों की कीमत चुकानी पड़ रही है। यहाँ ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो यह न कहे, “काश मैं और अधिक समय तक ईसाई रह पाता। काश

कोई मेरे पास आता और मुझे 7, 8 या 9 साल की उम्र में खेत पर रखता और मुझे मसीह के पास ले जाता। मुझे 15 साल की उम्र तक इंतजार करना पड़ा। बचपन से लेकर 15 साल की उम्र तक मैंने बहुत कुछ खो दिया। काश मैं बच जाता। पौलुस ने अपने एक रश्तेदार के बारे में लिखे पत्र में यही बात कही है। वह कहता है, “मुझसे पहले मसीह में कौन था?” (रोमियों 16:7) यह एक बढ़िया बात है। मसीहियों, अगर आप जानते हैं कि परमेश्वर की इच्छा के अनुसार क्या करना है और आप ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो आपको कुछ कीमत चुकानी पड़ रही है। मनुष्य की देरी हमेशा बहुत, बहुत महंगी पड़ती है, लेकिन परमेश्वर की देरी नहीं। क्यों? इन चार महीनों की वजह से। यह आदमी न केवल प्रार्थना कर रहा था बल्कि योजना भी बना रहा था। वह अपनी प्रार्थना के उत्तर के लिए तैयार हो रहा था। मैं इसे अब चार महान चरणों से साबित करने जा रहा हूँ।

जाने की अनुमति/ प्रावधान

जब राजा ने पूछा कि तुम्हें क्या चाहिए तो वह जानता था कि उसे क्या कहना है। राजा ने जो पहली चीज़ माँगी वह यह थी, छंद छह, "और राजा ने मुझे से, जो रानी भी उसके पास बैठी थी, पूछा, तेरी यात्रा में कतिना समय लगेगा? और तू कब लौटेगा? तब राजा ने मुझे भेजना उचित समझा; और मैंने उसके लिए समय निर्धारित किया" (नहे. 2:6)। उसने राजा से यह नहीं कहा, "ओह, मैं वास्तव में नहीं जानता कि इसमें कतिना समय लगेगा। मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा। आपने वास्तव में मुझे आश्चर्यचकित कर दिया।" मैं आपको साबित करने जा रहा हूँ, अब आप इस सप्ताह अपने बाइबल का अध्ययन कर सकते हैं और पता लगा सकते हैं, क्या आप जानते हैं कि नहेमायाह ने क्या उत्तर दिया? ओह, मुझे पता है कि यह छंद छह में नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैं सही हूँ क्योंकि जब मैं उससे बात करूँगा तो नहेमायाह इसकी पुष्टि करने जा रहा है। हाँ, वह कर रहा है। वह राजा के चेहरे पर देखने जा रहा है और कहेगा बारह

साल। मुझे बारह साल का समय चाहिए सर। और राजा कहता है कि तुम्हें मलि गया। और क्या?
"मैंने राजा से कहा, यदि राजा को अच्छा लगे तो मुझे नदी के पार के राज्यपालों के लिए पत्र
दिए जाएं, ताकि हिम यरूशलेम पहुंचने तक वहां से गुजर सकें" (नहे. 2:7)। राजा, जब तक आप
मुझे मंजूरी नहीं देते, मैं वहां से नहीं गुजर सकता। मेरे पास पासपोर्ट होना चाहिए। मेरे पास वीजा
होना चाहिए। मेरे पास अनुमति होनी चाहिए। मेरे पास प्रोटोकॉल होना चाहिए। यह सब उन्होंने
घुटनों के बल बैठकर सोचा। इसलिए वे इसके लिए पूछ रहे हैं, न केवल समय अवधि, बल्कि
उनके पूर्ववर्तियों के वहां पहुंचने के लिए भी। लेकिन इतना ही नहीं। "और राजा के जंगल के
रखवाले आसाप को एक पत्र कि वह मुझे भवन के पास के महल के फाटकों और शहर की
दीवार और उस भवन के लिए लकड़ी दे, जसिमें मैं प्रवेश करूंगा।" (नहे. 2:8) मुझे

लकड़ी की जरूरत होगी। मुझे आपूर्तिकी जरूरत होगी। मुझे इस महान बारह वर्षीय कार्य को करने के लिए आवश्यक धन की आवश्यकता होगी। प्रावधान, और फरि एक और जो मुझे नहीं लगता कनिहेमायाह ने माँगा था।

सुरक्षा

नौवें श्लोक में नीचे देखें, "तब मैं नदी के पार राज्यपाल के पास गया, और उन्हें राजा के पत्र दिए।" यह तब हुआ जब वह अपने रास्ते पर था। "अब राजा ने मेरे साथ सेना के कप्तान और घुड़सवार भेजे थे।" वह क्या है? सुरक्षा। वे यहाँ हैं: समय की अवधि, अनुमति, प्रावधान, सुरक्षा। यह सब हो चुका है, सब तैयार है। जाने के लिए तैयार। क्या यह प्रार्थना का एक अद्भुत उत्तर नहीं है? भगवान प्रार्थना का उत्तर देते हैं। और उन्होंने नहेमायाह की प्रार्थना का उत्तर दिया। और इससे पहले कहिम इसे जानते, वह वहाँ है। श्लोक 11, " इसलिये मैं यरूशलेम आया, और तीन दिन वहाँ रहा।" उत्तर की गई प्रार्थना के आश्चर्य में जीना, बस एक अद्भुत, अद्भुत बात है।

लड़ाई में बहादुर

लेकनि अब हम एक ऐसे कृणं पर आते हैं, जसिं मैंने अपनी रूपरेखा में स्पष्ट करने की कोशिश की, मैंने लाल से काले रंग में बदल दिया। संघर्ष का पहला तत्व। सब कुछ ठीक चल रहा है, है न? क्या यह अद्भुत नहीं था कि अध्याय एक और अध्याय दो के पहले नौ श्लोकों का अध्ययन किया जाए और सब कुछ वैसा ही है, सत्य के लिए बहादुर, सत्य के लिए बहादुर। सकारात्मक रूप से, चीजें वास्तव में आगे बढ़ रही हैं। लेकनि इसका एक और आधा हिस्सा भी है। वह क्या है? लड़ाई में बहादुर, और जल्दी या बाद में हर अवसर जो भगवान आपको देता है,

शैतान के वरिध से चुनौती दी जाएगी। अब इसके लिए तैयार हो जाइए, मैं आपके अंदर शहीद होने की भावना पैदा करने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मैं शहीद होने की भावना से घृणा करता हूं। न ही मैं आपको उत्पीड़न के भ्रम का मामला देने की कोशिश कर रहा हूं, यह सोचकर कि आपके बाद कुछ ऐसा है जो नहीं है। मैं आपको बाइबल दे रहा हूं क्योंकि एक प्रचारक के रूप में मैंने हजारों दिल टूटे हुए युवा विश्वासियों से नपिटा है जो ईसाई बनने के तुरंत बाद अपने जीवन में आए भयानक वरिध से हैरान थे। किसी तरह उन्हें लगा कि चूँकि वे ईसाई बन गए हैं, इसलिए वे एक सावधानी से लपेटे गए पैकेज की तरह होंगे, जसि पर ऊपर से ऊपर तक नाजुक होने का ठप्पा लगा होगा, और स्वर्ग जाने के लिए बाध्य होंगे। अचानक उन्हें

कुछ ऐसा मला जिसके बारे में उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था, क्योंकि किसी ने उन्हें ईसाई जीवन के संघर्ष के बारे में ठीक से चेतावनी नहीं दी थी। अच्छी लड़ाई लड़ो, अनंत जीवन को पकड़ो।

संघर्ष का पहला तत्व

श्लोक 10, संघर्ष का पहला तत्व। यहाँ यह है, "जब होरोनी सम्बल्लत और अम्मोनी सेवक तोबयिह ने इसके बारे में सुना।" क्या सुना? नहेमायाह को उस स्थान तक ले जाने में परमेश्वर ने जो कुछ किया था, उसके बारे में सुना, जहाँ वह दीवार बनाने और आध्यात्मिक जागृता लाने जा रहा था।" (नहे. 1:10) क्या हुआ? "इससे वे बहुत दुखी हुए कि इस्राएल के बच्चों की भलाई चाहने वाला एक व्यक्ति आया था।" कुछ लोग ऐसे होंगे जो ईश्वर के लिए आपके द्वारा किए जा रहे काम को पसंद नहीं करेंगे। हमेशा एक सनबलात होगा जो हमेशा एक टोबयिह होगा। थोड़ी देर बाद, इस शैतानी त्रिमूर्ति का तीसरा सदस्य प्रकट होता है। उसका नाम गेशाम है। और दुश्मनी तय हो जाती है।

अब अगर आप सभी लोगों ने दो कतिबें नहीं पढ़ी हैं, और आपके पास उन्हें खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं हैं, तो अपनी शर्ट या अपनी ड्रेस या जो भी आपको जरूरत नहीं है उसे बेच दें और उन्हें खरीद लें। जॉन बन्यन की, पलिग्रमिस प्रोग्रेस । ओह, यह पुराना जैक है, यह पुराने ज़माने का है। हाँ, यह बहुत पुराना है, लेकिन यह इस पुस्तक में जिस बारे में हम बात कर रहे हैं उसका एक जीवंत प्रतीक है। जॉन बन्यन एक बैपटसिट प्रचारक थे। उन्होंने उनसे कहा कि वे सुसमाचार का संचार नहीं कर सकते। उन्होंने सुसमाचार का संचार किया। उन्होंने उन्हें 13 साल के लिए बेडफोर्ड जेल में डाल दिया। लेकिन जब वे बेडफोर्ड जेल में थे, तो उन्होंने पलिग्रमिस प्रोग्रेस लिखी। उन्होंने पवित्र युद्ध लिखा , यह दूसरी है एक। जब वह जेल में था, तब उसकी छोटी अंधी बेटी घर-घर जाकर रोटी पकाती थी। बैपटसिट उपदेशक के महान हृदय

चार्ल्स हैडन स्पर्जन ने कहा था, “बाइबल के बाहर किसी भी अन्य पुस्तक की तुलना में जसि पुस्तक ने मेरे जीवन को अधिकि प्रभावति कयिा वह थी पलिग्रमिस प्रोग्रेस ।” स्पर्जन ने इसे पहली बार पाँच वर्ष की आयु में पढ़ा था, जब हमारे अधकिांश बच्चे मकिी माउस को सीखने की कोशशि कर रहे होते हैं। 57 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने इसे 100 बार पढ़ा था। चार्ल्स हैडन स्पर्जन के पतिा एक प्यूरटिन उपदेशक थे, उनके दादा एक प्यूरटिन उपदेशक थे, उनके परदादा एक प्यूरटिन उपदेशक थे। उनसे दस पीढ़ियाँ पीछे प्यूरटिन उपदेशक थे। वह 16 वर्ष की आयु में घर आया और अपनी माँ के पास आया और कहा, “माँ,

ईश्वर ने मुझे बैपटसिट उपदेशक बनने के लिए बुलाया है अब अगर आपको लगता है कि मैं बैपटसिट का झंडा फहरा रहा हूँ, तो मैं आपको कुछ खबर देता हूँ। मैं फर्स्ट यूनाइटेड बैप्टलमेथोपालयिनप्रेसबीगेशनलसिट हूँ। हमें ईसाई जीवन के संघर्ष की वास्तविकताओं के नवीनीकरण की आवश्यकता है। मैं इस पतझड़ में तीन कॉलेजों में जाऊँगा, पीसीबी, और क्लार्क समिट में बैपटसिट बाइबल, और नॉर्थईस्टर्न बाइबल कॉलेज। और पीसीबी में मैंने "विश्वास की अच्छी लड़ाई लड़ो: ईसाईयों का युद्ध।" मेरा मानना है कि बिच्चे को एक ठोस सप्ताह के लिए इसकी आवश्यकता है। हम ईसाईयों के युद्ध से निपटने जा रहे हैं, यह इस से पूरी तरह से अलग श्रृंखला है, लेकिन नेहेमिया में उस सत्य का एक बड़ा हिस्सा है।

" अब कुछ नहीं हुआ, बस यह घोषणा की गई कि वे इस बात से बहुत दुखी थे कि इस्राएल के बच्चों की भलाई चाहने वाला एक आदमी आया था" (नहे. 2:10)। अब हम पुस्तक के अन्य सकारात्मक भागों में जल्दी से आगे बढ़ते हैं। समय बहुत तेजी से बीत रहा है। और अब हम सर्वेक्षण में जाते हैं, नहेमायाह आता है, जहाँ तक हम जानते हैं उसने यरूशलेम को कभी नहीं देखा था। और अब वह दृश्य में है। और पहाड़ पर विभाजन का पैटर्न प्राप्त करना एक बात है। पछिली रात हमने इस कमरे में एक शानदार सेवा की थी और हमारे पास फ्रांस जाने वाला एक युवा जोड़ा था। हमारे पास स्पेन जाने वाला एक और युवा जोड़ा था। हमारे पास पुर्तगाल, या अर्जेंटीना या जापान जाने वाला कोई व्यक्ति था और उसे यह दर्शन था कि परमेश्वर उन्हें क्या करने के लिए प्रेरित कर रहा है। लेकिन एक दिन वे उस देश में कदम रखने जा रहे हैं और वे इसे वैसा ही देखेंगे जैसा कि यह है। यह वैसा नहीं होगा जैसा उन्होंने पहाड़ पर पैटर्न पर देखा था। और वे बारीकियों पर ध्यान देने जा रहे हैं। और कई बार व्यक्ति उस बारीक बात पर आकर वापस लौट जाता है।

अब नहेमायाह ने अपनी टूटी हुई दीवारों को देखते हुए, अपने जले हुए, जले हुए फाटकों को

देखते हुए, भूमि में भगवान के अवशेषों की स्थिति की जांच करते हुए तीन दिन बतिए। और जब वह सफल हो गया, जो उसने काफी गुप्त रूप से किया, तो आखिरकार आपको हर किसी को यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि आपकी आध्यात्मिक योजनाएँ क्या हैं। शैतान सर्वज्ञ नहीं है, न ही शैतान सर्वव्यापी है। कुछ बातें ऐसी हैं जो वह नहीं जानता। और इसलिए, यह सब समाप्त करने के बाद हमारे पास नेतृत्व की महान विशेषताओं में से एक है। और

आप में से कुछ लोग , और वैसे मुझे कतिबों की दुकान पर वह छोटी सी अभवियक्तपिसंद आई, यह पढ़ने की पहचान नेतृत्व से करता है। और यह सच है. नसिंदेह नेतृत्व के लिए धर्मग्रंथों में सबसे अधिक पढ़ा गया है और यह नेतृत्व पर अब तक लखी गई सबसे महान पुस्तकों में से एक है।

शक्तिका प्रदर्शन

अब नहेमायाह आता है, वह अकेला है। हो सकता है कउसके साथ कुछ लोग प्रार्थना कर रहे हों। कुछ साथी भी हो सकते हैं, लेकिन जो काम उसे करना है, उसे नपिटाने के लिए उसे मदद की जरूरत है। इसलिए वह आता है, और अपने कार्यक्रम पर ध्यान देता है। मैं यहाँ कुछ पादरियों से बात कर रहा हूँ, अब मुझे एहसास हुआ कयिहाँ उनमें से बहुत से लोग हैं क्योकमैंने उनमें से कई लोगों से व्यक्तगित साक्षात्कार पहले ही कर लिए हैं। बहुत से पादरी और मैं चार अलग-अलग चर्चों का पादरी रहा हूँ, पता लगाता हूँ कमिण्डली की आम सहमतक्या चाहती है और फरि उनके साथ चलता हूँ और उनका अनुसरण करता हूँ और वैसा ही करता हूँ। यह नेतृत्व नहीं है। और बहुत से पादरी हैं जो अपना सारा समय लोगों की समस्याओं में बतिते हैं। यह एक मंत्रालय है, इसमें कोई संदेह नहीं है। आपको समस्या के प्रतसिचेत होना चाहिए और समस्याओं का सामना करना चाहिए। लेकिन इससे कहीं जयादा बड़ी बात यह है कसिमस्याओं के समाधान के साथ-साथ शक्तिका प्रदर्शन भी होना चाहिए।

और इसलिए वह अब लोगों के पास आए, और यह संकट का क्षण है, महान संकट है और वह उनसे मलिते हैं। और उस ने कहा, "तब मैं ने उन से कहा," पद 17, "तुम देखते हो कहिम कसि संकट में हैं, कयिरूशलेम कसि प्रकार उजाड़ पड़ा है, और फाटक आग में जल गए हैं; आओ, हम यरूशलेम की शहरपनाह बनाएं, कहिम फरि ननिदति न हों" (नेह. 2:17)। उसने क्या कयिा? उन्होंने यह सुनिश्चति कयिा कउन्हें पता हो कजिरूरत क्या है।

जरूरत

आप जानते हैं कि आप किसी को मसीह के पास तब तक नहीं ले जा सकते जब तक कि उन्हें इस बात की चेतना न हो कि उन्हें किससे बचाया जा रहा है, साथ ही साथ उन्हें किसके लिए बचाया जा रहा है। आप तब तक डॉक्टर को नहीं बुलाते जब तक आपको यह एहसास न हो कि आपको डॉक्टर की जरूरत है। "तुम संकट को देखते हो।" क्या यहाँ कोई ऐसा है जो हमारी चरम स्थितियों के बारे में आश्वस्त नहीं है? बचे हुए लोगों की स्थिति, इन दीवारों की स्थिति, इस पवित्र शहर की स्थिति, इन जले हुए फाटकों की स्थिति हम संकट में हैं। जाहरि है उसने उन्हें आश्वस्त किया। फिर उसने

कहा कि मैं तुम्हें एक बहुत ही उल्लेखनीय बात बताता हूँ। उसने राजा के प्यालेवाला होने के बारे में बताया, उसने पूरी कहानी वसितार से बताई जो मैंने तुम्हें इन पहले दो संदेशों में बताई है। बाइबल क्यों कहती है, "तब मैंने उन्हें अपने परमेश्वर के हाथ के बारे में बताया जो मुझ पर अच्छा था; अगर कोई एक बात बहुत महत्वपूर्ण है, तो वह यह है कि पिदरी को पता होना चाहिए कि भगवान ने उसे उस मंच पर पहुँचाया है और वह भगवान की इच्छा से वहाँ है, सरिफ़। इसलिए नहीं कि उसे मण्डली का सर्वसम्मति से वोट मिला था। उस व्यक्ति से ज्यादा प्रेरणादायक कुछ नहीं हो सकता जो मंच पर खड़ा होकर घोषणा करता है, "यह मेरे लिए भगवान का स्थान है।" लेकिन अगर वह हमेशा इस बात की चिंता करता रहता है कि उसे कहीं और होना चाहिए या नहीं, तो वह कभी भी दूसरे लोगों में वह आत्मविश्वास पैदा नहीं कर पाएगा। जब तक नहेमायाह एक नेता के रूप में आगे बढ़ा, तब तक वे जानते थे कि उसे उस स्थान पर ले जाया गया था। अब नेतृत्व का मतलब है यह पता लगाना कि भगवान आपसे क्या करवाना चाहते हैं और फिर दूसरे लोगों को उस स्थान पर लाना जो भगवान ने आपको बताया है।

साथ काम करने की ताकत

अब लोगों का यह महान समूह सरिफ़ काम करने का क्षेत्र नहीं रह गया है। वे साथ काम करने की ताकत बन गए हैं। और उपदेशक, यह आपकी मण्डली का नरिणायक स्थान बनने जा रहा है, साथ काम करने के लिए एक ताकत बनने जा रहा है। वे कहते थे कि रिविवार की रात को एक युवा साथी ने मुझे लुइसियाना में पेश किया। और जैसे ही उन्होंने मेरा परिचय कराया, उन्होंने कहा, "जब मैं फ्लोरिडा कॉलेज ऑफ़ बाइबल का छात्र था, तब मैं इस आदमी के चर्च में गया था। मैं कभी-कभी असाइनमेंट पर बाहर होता था, लेकिन हर बार जब मेरे पास कोई असाइनमेंट नहीं होता था तो मैं ओपन डोर चर्च में होता था।" और उन्होंने कहा, "मैं ईमानदारी

से कह सकता हूं कि मैं कभी भी ऐसी सेवा में नहीं था जहां मैंने ईसा मसीह के लिए सार्वजनिक नरिणय नहीं देखे हों।" और फिर वह इस आदमी के सुसमाचारीय उपहारों के बारे में बात करने लगा। और मैं उठा और उसे कुछ बताया, और बाकी लोगों को भी कुछ बताया। मैंने कहा कि उस दिन कोई भी व्यक्ति उस चर्च में लोगों को मसीह की ओर आकर्षित कर सकता था। उन्होंने कहा कि आपका मतलब क्या है? आपको एहसास है कि मेरे पास पैंतीस या चालीस आदमी थे जो हर रविवार सुबह, हर रविवार दोपहर को तीन घंटे फिलाडेल्फिया की सड़कों पर चलते थे और कुत्तों की तरह काम करते थे। मैं यह जाने बना कभी भी अपने मंच पर खड़ा नहीं हुआ कि ऐसे बहुत से लोग थे जिन्हें मसीह की आवश्यकता थी जिनके लिए प्रार्थना की गई थी, जिसे प्रेम किया गया था, जिसे मतिरता की गई थी, जिसे संपर्क किया गया था, और जिन्हें लाया गया था और वहां रखा गया था और

बनने के लिए तैयार किया गया था। बचाया। आपने उसमें विश्वास किया? कोई भी बच्चा, जो वास्तव में सुसमाचार जानता था, उठ सकता था और उस चर्च में लोगों को मसीह की ओर आकर्षित कर सकता था। अब उस चर्च के कुछ सदस्य यहां हैं, इसलिए आप उनसे इस बारे में बात कर सकते हैं। वे अभी भी किसी कारण से मेरा पीछा कर रहे हैं। एक रविवार की सुबह मैंने दशमांश देने का उपदेश दिया और नौ नाविक परिवर्तित हो गये। मेरे बोर्ड ने कहा कि आपको हर रविवार सुबह जैसे पर उपदेश देना चाहिए। नहीं, वे सभी तैयार थे. क्यों, मेरे पास काम करने वाले लोगों की एक फौज थी। मैं तो बस उनका नेता था. मैंने सारा काम नहीं किया. लोग मेरे पास आते थे और कहते थे कि यह आदमी ईसा मसीह के पास ले जाना चाहता है तो मैंने कहा , आगे बढ़ो और इसे ईसा मसीह के पास ले चलो। मुझे किसी को मसीह की ओर ले जाने का सारा आशीर्वाद क्यों मलिना चाहिए, आप ऐसा करें। ठीक है, ठीक है वे रोएँगे।

संघर्ष का तत्व

नहेमायाह ने अपनी सेना को आगे बढ़ाया, क्यों यहाँ यह है। “और उन्होंने कहा, आओ हम उठकर निर्माण करें। इसलिए उन्होंने इस अच्छे काम के लिए अपने हाथ मजबूत किए।” क्या यह एक अच्छा शब्द नहीं है, वे जाने के लिए तैयार हैं। एक मिनट रुको, एक मिनट रुको। बिना कसिके आपको कभी कोई प्रगत नहीं मलिती? संघर्ष का अगला तत्व। संघर्ष का दूसरा तत्व यहाँ अध्याय 2 की आयत 19 और 20 में है। ध्यान दें कि यह क्या है दोस्तों। “लेकिन जब होरोनी सनबल्लत, और अम्मोनी सेवक तोबयिह, और अरबी गेशेम,” यह तीसरा है, “ने इसे सुना।” क्या सुना? इस जबरदस्त प्रगत के बारे में सुना जो हो रही थी। ये उदार चर्च जो कहते हैं, वे ठीक से चलते हैं। वे कभी भी चर्च में किसी भी तरह के मतभेद या असहमति या किसी वास्तविक लड़ाई के बारे में नहीं सुनते। ऐसा क्यों होना चाहिए, अगर शैतान ने उन्हें पकड़ लिया है तो वह उनके साथ खलिवाड़ करने में दलिचस्पी नहीं रखेगा। उसने उन्हें पहले ही पकड़ लिया

है। मैं आपको ऐसे चर्च के लिए दो सेंट भी नहीं दूंगा जिसमें कोई समस्या न हो। लेकिन समस्याएँ होना एक बात है। इसे सुलझाना दूसरी बात है। इसे सुलझाना होगा। यह वहाँ होने जा रहा है। समस्या वहाँ होने जा रही है। शैतान इसका ध्यान रखेगा।

मुझे याद है कउसी चर्च में ऑडिटोरियम के सामने लोग और नज्ी कार्यकर्ता कतार में खडे थे और ऑडिटोरियम के पीछे उन लोगों की आलोचना हो रही थी जो उस चर्च के सदस्य थे। वे साथ-साथ चलते हैं। मैं अवसर और वरिध के साथ जीने का आदी हूँ।

नहेम्याह भी वैसा ही था। तो उन्होंने क्या किया? अब इसे देखो. आप जानते हैं कथिह पुस्तक बहुत व्यावहारिक है। जब मैंने अध्ययन करना शुरू किया तो आपमें से कुछ लोगों ने नश्चिती रूप से कहा होगा कथिह एक पुरानी कतिाब की तरह है। पुराने नयिम में 25 सौ वर्ष पुराना। उस पर अवश्य ही फफूंद लगी होगी, उसे उससे क्या प्राप्त होने वाला है? लड़के, तुम बलिकुल जैसे ही दखिते हो, तुम्हारी नाक पर क्रेप है, और तुम्हारी ठुड्डी तुम्हारी छाती पर है, और तुम गा रहे हो, कांटा पकड़ो, मैं आ रहा हूं। आपका चेहरा इतना लंबा हो सकता है कआप बनिा कसिी परेशानी के चार इंच के गैस पाइप से दलपिया खा सकते हैं। यह एक जीवति कतिाब है. यह यूहनना के सुसमाचार के समान ही जीवंत है। यह समान रूप से परमेश्वर का वचन है। यह नहेमायाह की पीढी के लिए नहीं लिखा गया था, यह हर पीढी के लिए लिखा गया था। यह सदाबहार पीढी है. जब सारा समय बीत जाएगा और हम अनंत काल में पहुंच जाएंगे तो ये सदिधांत शाश्वत हो जाएंगे। ये शाश्वत सदिधांत हैं.

उन्होंने क्या किया? अच्छा, वे क्या कहते हैं? "उन्होंने हमारा मजाक उड़ाया और हमें तुच्छ जाना।" ठीक है, चलएि परीक्षण करते हैं। अब मेरे साथ सोचें, सेवा की शुरुआत में हम बहुत हँसते हैं। इसका ज्यादातर हसिसा मजाक और हास्य और बाकी सब चीजों के कारण होता है। लेकिन अब यह एक अलग तरह का है। आप में से कतिने लोग जब सही काम करते हैं, तो आप में से कतिने लोग चाहते हैं कलियोग आप पर हँसें? ओह, कोई हाथ नहीं। नहीं, हँसना आसान नहीं है, लेकिन जल्द या बाद में यह आने वाला है, शायद आपके अपने परिवार में।

फरि दूसरा सवाल क्या है? "हमें तुच्छ समझें।" मैं इसे इस तरह से पूछूंगा। आप में से कतिने लोग, अब मेरे साथ सोचएि, आप में से कतिने लोग वास्तव में चाहते हैं कलियोग आपको पसंद करें? अपने हाथ ऊपर उठाओ। चलो, उन्हें ऊपर उठाओ तुम झूठे। मेरे दोनों हाथ ऊपर थे। मैं चाहता हूँ कलियोग मुझे पसंद करें। लेकिन जल्दी या बाद में यीशु मसीह के लिए आपके रुख के

कारण, आप किसी ऐसे व्यक्ति से मिलने जा रहे हैं जो आपको पसंद नहीं करता। नहेमायाह ने ऐसा किया। उन्होंने हमें तुच्छ समझा। इसे स्वीकार करना आसान नहीं है।

खैर, नहेमायाह ने क्या किया? खैर, उन्होंने उस पर पद का प्रयोग किया, आप जानते हैं, आप सेवादार हैं। आप जानते हैं कि उस अभिव्यक्ति का क्या अर्थ है। उन्होंने कहा कि हम राजा को बताने जा रहे हैं। आप जो कर रहे हैं, हम जनरल को बताने जा रहे हैं, हम कप्तान को बताने जा रहे हैं, हम बताने जा रहे हैं। ओह, क्या होगा अगर नहेमायाह यरूशलेम में था क्योंकि राजा ने अपनी इच्छा से उसे वहाँ रखा था। नहेमायाह वहाँ नहीं था क्योंकि राजा ने उसे

आने का प्रस्ताव दिया था। आप बताइए आपका क्या मतलब है? यह वही है जो आपने कुछ मिनट पहले कहा था। नहीं, मैंने नहीं कहा। अब श्लोक 8 के अंत को देखें। "राजा ने मुझे किसकी कृपा से दिया? मेरे परमेश्वर ने मुझ पर।" (नहेमायाह 2:8) नहेमायाह, मैं अब तुम्हें धर्मशास्त्र का थोड़ा सा हिस्सा दूँगा। अपनी सीटबेल्ट बाँध लो और अपने नकली दाँत लगा लो। हो सकता है कि तुम्हें यह पसंद न आए, लेकिन मैं तुम्हें यह फरि भी दूँगा। हम धर्मशास्त्र में प्रथम कारण और हमारे दूसरे कारण कहते हैं। प्रत्येक मनुष्य के उद्धार का पहला कारण ईश्वर है। उद्धार प्रभु का है। लेकिन यह सच हो सकता है कि कोई आत्मा से भरा हुआ ईसाई कार्यकर्ता आपको मसीह की ओर ले जा सकता है। वह परमेश्वर के किस कारण का साधन है? दूसरा कारण। हम आम तौर पर दूसरे कारणों के बारे में बात करते हैं, लेकिन हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि क्या? पहले कारण की प्रमुख प्राथमिकता। यह प्रभु का है। यहाँ कोई भी उन शब्दों के अलावा बचा नहीं है। यह परमेश्वर का है। ठीक है? अब यहाँ हमारे पास मार्गदर्शन में यह है। निश्चिंता रूप से, नहेमायाह के यरूशलेम में होने का पहला कारण परमेश्वर था। इसके अनुसार, और यह नहेमायाह की एक पसंदीदा अभिव्यक्ति है, "मेरे ऊपर मेरे अच्छे हाथ के अनुसार।" (नहे. 2:8)।

और दूसरा कारण, करने के लिए छोटी सी बात, प्रभु ने नीचे पहुँचकर राजा के हृदय को पकड़ लिया और उसे घुमा दिया और कहा कि तुम वही करो जो मैं तुमसे करने के लिए कहता हूँ। तुम नहेमायाह को वही दो जो मैं तुमसे उसे देने के लिए कहता हूँ। ठीक हो गया। वह दूसरा कारण। परमेश्वर के संपर्क में रहना अद्भुत है जो राजाओं से नपिटता है, उनके मन को बदलता है, उनके स्वभाव को बदलता है। जे हडसन टेलर, महान चीन मशिनरी, कहा करते थे, "केवल प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर के माध्यम से लोगों को प्रेरित करना सीखें।" "केवल प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर के माध्यम से लोगों को प्रेरित करना सीखें।" इसलिए नहेमायाह ने

उनके आरोप का उत्तर नहीं दिया कवि राजा को बताएंगे। उसने कहा, "स्वर्ग का परमेश्वर, वह हमें समृद्ध करेगा।" (नहे. 2:20)।

रेखा खींची अलगाव

लेकिन फिर उसने कुछ और कहा। "यरूशलेम में तुम्हारा कोई भाग, न अधिकार, न स्मारक है।" उसने रेखा खींची, अलगाव की रेखा, अलगाव की रेखा जो शास्त्रों में काले और सफेद की तरह स्पष्ट है, विश्वास और अविश्वास के बीच की रेखा। अगर आपको लगता है कि मैं पुराने नियम का प्रचार कर रहा हूँ, तो कुरन्थियों ने हमें बताया है, "अविश्वासियों के साथ असमान बंधन में न जुटो।" यही कहा गया है। और वह सत्य है कि प्रकाश और अंधकार का विभाजन है।
ये वे लोग थे जो

नहेमायाह के वशिवास पर वशिवास नहीं करते थे। पॉल ने इसे गलातियों में कहा, उसने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य सुसमाचार का प्रचार करने आए, तो उसे क्या होना चाहिए? शापति। उसने रेखा खींची। उसने रेखा खींची। रेखा यहाँ खींची गई है। उन्हें पवित्र घरे में काम करने का कोई अधिकार नहीं था। एजरा में वापस, जरुब्बेबेल और यहोशू ने कहा, “हमारे परमेश्वर के लिए एक घर बनाने के लिए तुम्हारा कोई काम नहीं है। इसका मतलब यह नहीं था कि वे उनके लिए चिन्तित नहीं थे। यदि उन्हें परमेश्वर का संदेश मिला तो वे उसे खुशी-खुशी स्वीकार करते, परन्तु वे परमेश्वर के शत्रु थे।

दीवार का निर्माण

आज सुबह हम अध्याय तीन पर शीघ्रता से विचार करने जा रहे हैं। दीवार का निर्माण करते हुए, हम फिर से सकारात्मकता की ओर लौट आए हैं। इस समय हम लाल स्याही में हैं। और फिर, आपमें से कुछ लोगों ने कड़ी मेहनत की। आपने अध्याय तीन पर मेहनत की और सोचा कि आपको उन सभी 38 कठनि नामों का उच्चारण करना होगा। यह एक कठनि, कठनि अध्याय है। यह सही है, यह एक कठनि अध्याय है, बहुत-बहुत कठनि अध्याय है। लेकिन इस अध्याय में सत्य के कुछ महान रत्न हैं। अब मेरी इच्छा है कि मैं उनमें से प्रत्येक पर वास्तव में आधा घंटा लगा सकूँ।

शानदार संगठन

नंबर एक, शानदार संगठन। आप इस तथ्य के प्रतिसिचेत हुए बनिा अध्याय तीन नहीं पढ़ सकते कि नहेमायाह ने अपनी सेनाओं को पूरी तरह और शानदार ढंग से संगठित किया था। धर्मशास्त्रीय संगठन के बारे में कुछ भी अध्यात्मिक नहीं है। क्या आप मेरी बात सुन रहे हैं? कुछ लोग ऐसा सोचते हैं, लेकिन यह सच नहीं है। यहाँ उन्हें काम करने के लिए संगठित किया गया है। दूसरी बात, उसी समय, यह संगठन में नहीं था, व्यक्तिगत पहल का वनिाश। आप

अध्यायों को पढ़ेंगे और आप पाएंगे कल लोग अपनी ज़रूरत से ज्यादा काम कर रहे हैं। फरि से एक और टुकड़ा, फरि से एक और टुकड़ा, फरि से एक और टुकड़ा, और यहाँ हम ऐसे लोगों को पाते हैं जो इस व्यक्तिगत पहल को कर रहे हैं। ईश्वर द्वारा दी गई पहल की विशेषताओं को सामने लाना जो उसने हम सभी को दी है। फरि से, सम्मान जसिका सम्मान करना चाहिए। यह अध्याय अपने आप में एक सम्मान सूची है। यह अध्याय उन लोगों की प्रशंसा करता है जो काम करते हैं, और साथ ही यह अध्याय उन लोगों को फटकारता है जो आलसी थे। सम्मान जसिका सम्मान करना चाहिए।

झूठा आदर्श

नंबर चार, झूठा आदर्श। जैक, आपका क्या मतलब है? अगर आप पाँचवीं आयत में पढ़ें तो यह कहता है, “ और उनके बाद टेकोइट्स ने मरम्मत की; लेकिन उनके कुलीनों ने अपने प्रभु के काम में अपनी गर्दन नहीं डाली।” टेकोइट्स के नेतृत्व ने वह करने से इनकार कर दिया जो उन्हें करना चाहिए था। लेकिन आप पुस्तक के दूसरे भाग में पाएँगे कि टेकोइट्स ने खुद श्लोक 27 में अपने कुलीनों का अनुसरण नहीं किया। उन्होंने वैसे भी अपना काम किया। और इसलिए झूठा आदर्श। कई, कई चर्च चर्च के नेतृत्व के जतिना ही करते हैं और उसका पालन करते हैं। और कभी-कभी नेतृत्व बहुत दुखी होता है, और इसलिए अनुयायी बहुत दुखी होते हैं। नहीं, नहीं, आपके पास एक पूर्ण आदर्श है, और वह आदर्श यह है कि आप में वह मन हो जो मसीह में भी था। और वह आपका आदर्श है। आप हर दूसरे ईसाई से वे बढ़िया चीजें प्राप्त कर सकते हैं जो परमेश्वर उनके लिए करता है, लेकिन वे आपके पूर्ण आदर्श नहीं हैं। केवल मसीह ही आपका पूर्ण आदर्श है।

अधीनता का रिकार्ड

और फिर इस अध्याय में आपके पास अधीनता का रिकार्ड है। उनमें से अधिकांश भारतीय थे, मुखिया नहीं। हमारे सभी चर्चों में, हर कोई प्रमुख बनना चाहता है। अनुयायी होने के साथ-साथ नेतृत्व में भी महान गुण और ईश्वर की इच्छा होती है। आप मुझे सुनो? नसिंदेह प्रत्येक अनुयायी में नेतृत्व का एक पैमाना होता है, इसमें कोई संदेह नहीं है। कोई भी व्यक्ति जो प्रभु के लिए जीता है, किसी भी मायने में किसी प्रकार के नेतृत्व की जम्मेदारियों से बच नहीं सकता है। आप या तो किसी की मदद कर रहे हैं या बाधा डाल रहे हैं, लेकिन आप समझते हैं कि मैं यहां किस बारे में बात कर रहा हूँ, ये जो नेता के रूप में प्रतिष्ठित हैं। हैरी बालबैक और जैक वुर्थसन और डॉन रॉबर्ट्स और जमी डायोन और यहां के बाकी सभी नेता कभी भी वह नहीं कर सकते

जो वे कर रहे हैं, उन 5 या 6 सौ स्टाफ सदस्यों के बिना जो इस काम को करने के लिए उनके पीछे खड़े हैं। मैं तो यही कह रहा हूँ, देखिए। अतः यहाँ अध्याय में उचित अधीनता है। इसमें से अधिकांश अनजान लोगों का मंत्रालय है, लेकिन यह ईश्वर प्रदत्त मंत्रालय है।

संघर्ष का तीसरा तत्त्व क्रोध

ठीक है, अब अध्याय 4 में संघर्ष का तीसरा तत्त्व। मैं इसे

आपके लिए पढ़कर सुनाता हूँ। "जैसे ही दीवार बननी शुरू हुई, ऐसा हुआ कि जब सनबलेत ने सुना कि हिम दीवार बना रहे हैं, तो वह क्रोधित हो गया और उसे बहुत गुस्सा आया और उसने यहूदियों का मजाक उड़ाया। उसने अपने भाइयों, सामरिया की सेना के सामने बात की, और उसने कहा, ये कमजोर यहूदी क्या कर रहे हैं? क्या वे खुद को मजबूत करेंगे? क्या वे बलदान करेंगे? क्या वे एक दिन में काम पूरा कर लेंगे? क्या वे पत्थरों को फरि से जीवित करेंगे, जब वे कूड़े के ढेर से जल गए हैं? अब अम्मोनी तोबियाह उसके पास था, और उसने कहा, जो वे बना रहे हैं, अगर कोई लोमड़ी ऊपर चढ़ जाए, तो वह उनकी पत्थर की दीवार को भी तोड़ देगा" (नहे. 4:1-3)। क्रोध। वे काम को रोक नहीं सके, इसलिए उन्होंने यहूदियों को कमजोर कहा। इस तरह की रणनीति से सावधान रहें, अगर आप किसी व्यक्ति की सच्चाई का जवाब नहीं दे सकते, तो उस व्यक्ति को नष्ट करने की कोशिश करें। बहुत से लोग ऐसा कर रहे हैं। लेकिन आप जानते हैं कि ईश्वर-प्रेरित और ईश्वर-निर्देशित लोगों का एक छोटा समूह ऐसी चीजें कर सकता है जिन्हें दुनिया कभी नहीं समझ पाएगी। क्रूस का उपदेश नाश होने वालों के लिए क्या है? प्राकृतिक मनुष्य ईश्वर की आत्मा की बातें ग्रहण नहीं करता क्योंकि वे क्या हैं? आप जानते हैं कि हिम आज सुबह घोषणा कर सकते हैं कि हिम सभी योगदानकर्ता बनने जा रहे हैं, जितने लोग रेड क्रॉस ब्लड बैंक में योगदान देंगे। यह क्षेत्र के अखबारों में छपेगा। एक सौ ग्यारह लोगों ने रेड क्रॉस ब्लड बैंक को एक पट्टि रक्त बेचा, यह एक बहुत बड़ी बात है। दुनिया इसे समझेगी। लेकिन स्क्रून लेक की सड़कों पर चलने वाला सबसे खराब शराबी आवारा या सबसे खराब लाल अक्षरों वाली लाल रंग की वेश्या आज सुबह यहां बच सकती है और आपको अखबारों में इसके बारे में एक लाइन भी नहीं मिल सकती। कौन सा अधिक महत्वपूर्ण है? खैर, आप जवाब जानते हैं। लेकिन दुनिया इसे नहीं समझती है, इसलिए उन्हें इसे समझाने की कोशिश में मेहनत न करें।

ये कमजोर यहूदी क्या करेंगे? वे क्या हासिल करने जा रहे हैं? क्या वे एक दिन में सब कुछ खत्म कर देंगे? वे उस बकवास से क्या बना सकते हैं? यह थोड़ा सा चुभने वाला है। काश मेरे पास नहेमायाह के चौथे अध्याय की आयत चार और पाँच को पढ़ने का समय होता। इसके लिए बहुत अध्ययन की ज़रूरत है। आप में से कुछ लोग इस प्रार्थना में व्यक्ति की गई भावनाओं से असहमत हो सकते हैं। लेकिन मैथ्यू के 23^{वें} अध्याय में यीशु के शब्दों के बारे में सोचे बिना इसका अध्ययन न करें, जब उन्होंने फरीसियों के खिलाफ़ बात की, जिन्होंने सत्य को नष्ट कर दिया था। और कृपया गलातियों के पहले अध्याय में पॉल को न भूलें, जब उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी अन्य

सुसमाचार का प्रचार करता है, तो उसे क्या होना चाहिए? शापति। नहेमायाह जो बात कर रहा है और यीशु ने जो बात की और पॉल ने जो बात की, उसके बीच कोई वरिधाभास नहीं है। यह कठोर लग सकता है, और यह धर्मशास्त्र में है जैसे हम पुस्तक के शापात्मक खंड कहते हैं। लेकिन यहाँ एक ऐसा व्यक्ति है जिसने खुद को परमेश्वर के कार्य के साथ इतना जोड़ लिया है कि जब ये नष्ट करने की कोशिश करते हैं तो यह उसे बहुत पीड़ा पहुँचाता है। लेकिन फिर से जल्दी से आयत छह को देखें। यहाँ इस काम का सारांश दिया गया है। बाइबल में यह कहा गया है, मुझे यह आयत पसंद है। "इस प्रकार हमने दीवार बनाई; और पूरी दीवार को इस प्रकार जोड़ा गया कि वह आधी से आधी ऊँचाई तक पहुँच सके: क्योंकि लोगों ने काम करने की इच्छा जताई थी" (नहे. 4:6)।

संघर्ष का तत्व लड़ाई

संघर्ष का एक और तत्व, चौथा तत्व। अध्याय चार श्लोक 7 और 8। मुझे इसे पढ़ने दें। " ऐसा हुआ कि जब संबल्लत, तोबयिह, अरबयियों और अम्मोनयियों ने, " वे बढ़ रहे थे, " और अशदोदयियों ने सुना कि यरूशलेम की दीवारों की मरम्मत आगे बढ़ गई है, और कदिरारें बंद होने लगी हैं, तो वे बहुत क्रोधित हुए, और उन सभी ने मलिकर यरूशलेम से लड़ने और इसे रोकने के लिए एक साथ आने की साजिश रची।" अब एक बहुत गंभीर बात आती है। यह और भी तीव्र होता जा रहा है। अब शारीरिक नुकसान का खतरा है। यीशु और क्रूस के चरमोत्कर्ष में वरिध में वृद्धिका अध्ययन करें। पौलुस का अध्ययन करें, व्यावहारिक रूप से हर शहर में वरिध में वृद्धिके साथ, जहाँ उसने प्रचार किया। इस वृद्धिका अध्ययन करें, पतरस की सेवकाई के तहत 3,000 आत्माएँ। और स्तफिनुस के तहत, 3,000 चट्टानें। यह एक तस्वीर है। यह तस्वीर यहाँ नहेमायाह में है। यह कठिन होता जा रहा है। क्यों? दीवार ऊँची होती जा रही है। आमीन। उस वरिध के लिए तैयार हो जाओ। पौलुस ने कहा, "मैंने एक अच्छी लड़ाई लड़ी है।

मैंने अपना कोर्स पूरा कर लिया है। मैंने विश्वास बनाए रखा है।" यह क्या है? नरिमाण, लड़ाई, जैतून की शाखा, तीरों का बंडल, रक्षात्मक रूप से मौलिक, आक्रामक रूप से सुसमाचार प्रचार। फावड़ा और तलवार।

थकावट और अनश्चितता

ठीक है, हम इसे समाप्त करेंगे और कल फरि से शुरू करेंगे। अब नहेमायाह ने क्या किया? क्यों, क्योंकि उसके पास कुछ और था जो वास्तव में बहुत परेशान करने वाला था। अंदर के लोग झुकने लगे। दीवार के अंदर उसके साथ खड़े लोगों में ही

कमजोरी के लक्षण देखने लगे और यह हमेशा नेतृत्व की विशेषता होती है। आप जानते हैं कि नेतृत्व कई बार बहुत अकेलापन भरा होता है। यीशु अक्सर अकेले चलते थे। उन्हें ऐसा करना ही पड़ता था। ऐसे समय भी आए जब सभी ने उन्हें छोड़ दिया और भाग गए। और नेतृत्व की कुछ विशेषताएँ ऐसी होती हैं जो बहुत अकेलापन भरा रास्ता होती हैं। अब नहेमायाह उस वलिक्षण स्थिति में है। क्यों? खैर, थकावट का प्रकटीकरण हुआ। लोग थकने लगे। वे थक गए। बोझ भारी था, कचरा बहुत ज्यादा था। ऐसा नहीं लग रहा था कि वे कहीं पहुँच रहे हैं, और वे शारीरिक रूप से थकने लगे। मैं एक रात व्याख्यान के बाद एक प्यारे भाई से अहीतोपेल के बारे में बात करता हूँ। अब ये सभी मानवीय विशेषताएँ इसमें शामिल हैं। शारीरिक थकावट, भावनात्मक थकावट, मानसिक थकावट, इन सबका असर होता है। कई बार हमें युद्ध में बस बसितर पर लेटने और एक घंटे की अच्छी नींद लेने की जरूरत होती है और फरि लड़ाई के लिए बाहर आना होता है। या अपने घुटनों पर बैठो और मजबूत बनो और लड़ाई के लिए बाहर आओ। इसलिए नहेमायाह ने उन लोगों का सामना किया जो थके हुए थे, जो वचन के अनुसार थके हुए थे। और फरि अनश्चितता थी। हमला लगभग हर जगह से आ रहा था। आगे क्या होगा? क्या होने वाला है? हम नहीं जानते कि अगर हम देख पाते कि यह कहाँ से आ रहा है तो यह एक बात होगी, लेकिन हम नहीं कर सकते। भजन ग्यारह। बाइबिल कहती है "दुष्टों ने कटोरे को डोरी पर लटकाया ताकि वे गुप्त रूप से, अंधेरे में, सीधे दिल वालों पर तीर चला सकें।" और भजनकार कहता है, "जब नींव हलिले लगे, तो धर्मी क्या करेगा?" मुझे नहीं पता कि विरोध कहाँ से आ रहा है, यह सबसे अप्रत्याशित स्थानों से आता है। और अनश्चितता बहुत है, अगर मुझे पता होता, अगर मैं बस इसे प्राप्त कर सकता। लेकिन मैं इसे प्राप्त नहीं कर सकता। कई बार मैं कर सकता हूँ।

लगातार विरोध और डर

फरि, नंबर तीन, लगातार वरिध. क्या आपने कभी मॉर्टन नमक आदर्श वाक्य के बारे में सुना है? "जब बारिश होती है, तो मूसलाधार होती है।" कभी-कभी शैतान उन्हें एक के बाद एक पकड़ लेता है। बगि, बगि, बगि, बगि, बगि, बगि। वह कभी हार नहीं मानता. क्यों, वह इसे कुचलने जा रहा है। यह नरिंतर है.

और फरि डर. डर से भी बदतर कुछ है, और वह है झूठा डर। आप कहते हैं, आपका क्या मतलब है? बाइबल दुष्टों के भागने के बारे में कुछ कहती है, कब क्या?

कोई आदमी पीछा नहीं करता. लेकिन आप जानते हैं कि बहुत सारे ईसाई भाग रहे हैं क्योंकि कोई उनका पीछा नहीं कर रहा है। वे बस सोचते हैं कि वे हैं। ओह, लेकिन, लेकिन, लेकिन। अब इसे ठीक करो, यह क्या है? लेकिन मैं इसे खत्म नहीं कर सकता. मैं बस यही सोचता हूँ कि यह वहाँ है, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है। और इसलिए हमारे पास "डर" शब्द है।

नषिकर्षण दृढ़ता

और अब इसे समाप्त करने के लिए, इस नहेमायाह ने क्या किया? क्या होगा अगर उसने कहा होता, अच्छा इसका कोई फायदा नहीं है। यह भीड़ पक्षियों के लिए है। कहीं और कोई चर्च होगा जो मेरी अधिक सराहना करेगा। अब उन्हें नेता भी मलि गया है। क्यों, वह आत्म-दया में लपित है। बेचारा आदमी। बेचारा मैं। वे मेरी सराहना नहीं करते। मैं ऐसी जगह जाऊँगा जहाँ वे करते हैं। तो आप पाते हैं कि प्रचारक इधर-उधर घूमते रहते हैं, दो और तीन साल तक और जब तक वे अपने उपदेशों का प्रचार करके किसी और जगह नहीं चले जाते और जब वरिध आता है तो वे भाग जाते हैं। नहेमायाह नहीं। वह वहीं खड़ा रहता है। आप जानते हैं कि मेरा एक बेटा था जो एक ऑल-अमेरिकन फुटबॉल खिलाड़ी था। उसे अमेरिका के फुटबॉल स्पोर्ट्स राइटर्स द्वारा ऑल-अमेरिकन के लिए नामति किया गया था। मुझे हमेशा स्टीव को देखना पसंद था। वह एक लाइनबैकर था। मैं उसे लाइन पर जो भी होता उसके पीछे चलता देखता था, चाहे वह 8 मैन लाइन हो, 7 मैन लाइन हो या 6 मैन लाइन हो। उस पर तमाचा, उस पर तमाचा, और वह लाइन को हलिा देगा। वह एक स्पर्सिनिक्टम था। वह एक पेपेकैक था। वह कांटेदार तार था। वह टीम का नेता था। उसने उन्हें इसे प्राप्त करने के लिए प्रेरति किया। वह नेहेमिया है।

नरिमाण और युद्ध

नहेमायाह कहते हैं कि आप हर चीज़ को क्षैतजि आधार पर देख रहे हैं, ये सभी उनके

वास्तवकि शब्द है। उन्होंने कहा, "प्रभु को स्मरण रखें" (नहे. 4:14)। यह कसि श्लोक में है? यह श्लोक 14 में है। उनसे मत डरो, ऊर्ध्वाधर रूप से देखो। प्रभु को स्मरण करो। उसने उनकी आँखों को वहाँ पहुँचाया जहाँ उन्हें होना चाहिए था। उसने अपने काम करने की परस्थितियों को थोड़ा बदल दिया। अब सभी फावड़े और नरिमाण के बजाय, उसके पास एक हाथ में फावड़ा और दूसरे में तलवार थी। जब तक आपको वरिीध का सामना न करना पड़े, तब तक आप उसका सामना नहीं कर सकते, लेकिन जब वरिीध आता है तो उसके लिए तैयार हो जाओ और उसका सामना करने के लिए तैयार हो जाओ। लेकिन उसने कभी नरिमाण करना बंद नहीं किया। क्या आपने इस पर ध्यान दिया? आप जानते हैं, दुर्भाग्य से इस देश में, कुछ लोग हैं जो नरिमाण करना भूल गए हैं

और वे केवल लड़ाई कर रहे हैं। वे गेथसेमेन के बगीचे में पीटर की तरह हैं, कान काट रहे हैं, बस इतना ही। बस इतना ही। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। लेकिन ऐसे भी लोग हैं जो इतने सकारात्मक रूप से बहादुर हैं कि वे शास्त्र में नकारात्मकता को नहीं पहचानते, और वे सब नरिमाण करते हैं। और उनके ठीक पीछे शैतान सब कुछ नष्ट कर देता है क्योंकि कोई उचित विवाद नहीं है। सकारात्मक सोच की शक्त को नकारात्मक सोच की शक्ति भी मलिनी चाहिए। केवल नरिमाण ही नहीं, बल्कि क्या? लड़ाई। यही तस्वीर है।

तो हम इसे इस छोटे से शब्द में संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं। ओह, लेकिन मैं इतना अधिक कैसे कह सकता हूँ। श्लोक छह, श्लोक नौ। तीन चीजें, आपको नोट्स में मलि गई हैं। प्रार्थना करने के लिए एक दिल, यह देखने के लिए एक आँख कि दुश्मन कहाँ आ रहा है, और हर समय क्या? काम करने का मन. यह एक बेहतरीन संयोजन है. और यह ईसाई जीवन के तीन गुना जोर की एक अद्भुत तस्वीर है। ठीक है, चलो प्रार्थना करें।

हमारे पति, हमें इस विषय को अपने हृदय में रखकर इस सभागार से ले चलो। दाऊद का विषय, जो प्रभु ने उसे दिया था उठो और ऐसा करो, प्रभु तुम्हारे साथ रहेगा। और भगवान हमें ऐसा करने में मदद करें, हमें आपकी इच्छा पूरी करने में मदद करें। और जसि जबरदस्त कतिब का हम अध्ययन कर रहे हैं, उससे चुनौती पाने और प्रेरति होने में हमारी मदद करें। आज इसे एक महान दिन बनाएं. हर दिल में जीत का दिन। यीशु के नाम पर, आमीन।